

**सालारेजंग** पुं. (फ़ा.) 1. प्रधान सेनापति 2. योद्धा।

**सालि** स्त्री. (तद्.) 1. समस्त पद के अंतिम पद के रूप में प्रयोग 2. युक्त, संपन्न जैसे- बलशाली, वैभवशाली।

**सालिक** वि. (अर.) 1. पथिक, राहगीर 2. मुसलमानों में एक साधक जो गृहस्थ होते हुए भी ईश्वर की अराधना में तल्लीन रहते हैं।

**सालिका** स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का वाद्य, बाँसुरी।

**सालिग्राम** पुं. (तद्.) 1. गंडक नदी में मिलने वाले गोलाकार काले रंग के पत्थर के टुकड़े जिनकी विष्णु के रूप में पूजा की जाती है।

**सालिनी** स्त्री. (तद्.) 1. शालिनी, गृहिणी, गृहस्वामिनी 2. भसींड, पद्मकंद 3. मेथी 4. ग्यारह अक्षरों का एक वृत्त जिसमें क्रमशः एक तगण दो यगण, बाद में गुरु होते हैं।

**सालिम** वि. (अर.) 1. पूर्ण, समूचा, समग्र 2. संरक्षित 3. तंदुरुस्त 4. जो किसी तरह से खंडित न हो।

**सालियाना** वि. (देश.) सालाना, साला का वार्षिक।

**सालिसिटर** पुं. (अं.) वह वकील जो मुकदमों की मिसिल तैयार करता है किंतु स्वयं न्यायालय में प्रायः उपस्थित नहीं होता, न्यायाभिकर्ता।

**सालिहोत्री** पुं. (तद्.) 1. घोड़ों की चिकित्सा करने वाला, शालिहोत्री 2. पशुचिकित्सक।

**साली** स्त्री. (देश.) 1. संबंध की दृष्टि से किसी की पत्नी की बहन 2. किसी स्त्री के लिए गाली के रूप में प्रयुक्त किया जाने वाला शब्द 3. हठयोग के अनुसार माया, वासना आदि 4. स्त्री. (फ़ा.) यौगिक शब्द के अंत में लगने वाला शब्द, (वर्ष) का भाव जैसे- खुशकसाली प्रतिवर्ष के हिसाब से देय पारिश्रमिक, मानदेय।

**सालू** पुं. (तद्.) 1. वह जिसे दूसरों की उन्नति मन को सालती हो, ईर्ष्यालु 2. दूसरों के मन को सालने वाली कोई बात पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का मांगलिक लाल रंग का वस्त्र 2. सारा।

**सालूर** पुं. (तद्.) सालूर, मेढक।

**सालेया** स्त्री. (तत्.) सौंफ।

**सालोक्य** पुं. (तत्.) पाँच प्रकार की मुक्तियों में से एक प्रकार की मुक्ति जिसमें साधक अपने इष्टदेव के साथ एकात्म या लीन हो जाता है या मुक्त जीव भगवान के साथ उसी लोक में वास करता है।

**सालोहित** पुं. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसके साथ सगोत्रीय रक्त संबंध हो, संबंधीजन 2. परिवार या कुल का व्यक्ति।

**साल्मली** पुं. (तद्.) सेमल का पेड़।

**साल्व** पुं. (तत्.) 1. भारत की एक प्राचीन जाति जो कभी मध्य पंजाब में रहती थी 2. पंजाब के मध्य प्रदेश का निवासी 3. एक दैव्य जिसका वध विष्णु द्वारा किया गया था।

**साल्वेय** वि. (तत्.) 1. जो साल्व देश से संबंधित हो 2. साल्व देश का।

**सावंत** पुं. (तद्.) 1. सामंत 2. चक्रवर्ती राजा के अधीन राजा 3. बड़ा सरदार जमींदार 4. वीर, योद्धा।

**साव** पुं. (तद्.) 1. शिशु, बालक 2. पुत्र 3. साहूकार 4. स्वाद।

**सावक** पुं. (तद्.) 1. जैन या बौद्ध भिक्षु 2. श्रावक 3. शावक, बच्चा।

**सावका** अव्य. (अर.) सदा, नित्य।

**सावकाश** क्रि.वि. (तत्.) अवकाश के साथ, अवकाश या छुट्टी के समय, छुट्टी होने पर वि. अवकाश युक्त।

**सावगी** स्त्री. (देश.) किशमिश पुं. सरावगी।

**सावचेत** वि. (तद्.) सचेष्ट, सावधान।

**सावज** पुं. (तद्.) शिकार के योग्य या शिकार किए गए जंगली पशु।

**सावण** पुं. (तद्.) श्रावणमास, सावनमास।